RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

GEOGRAPHY

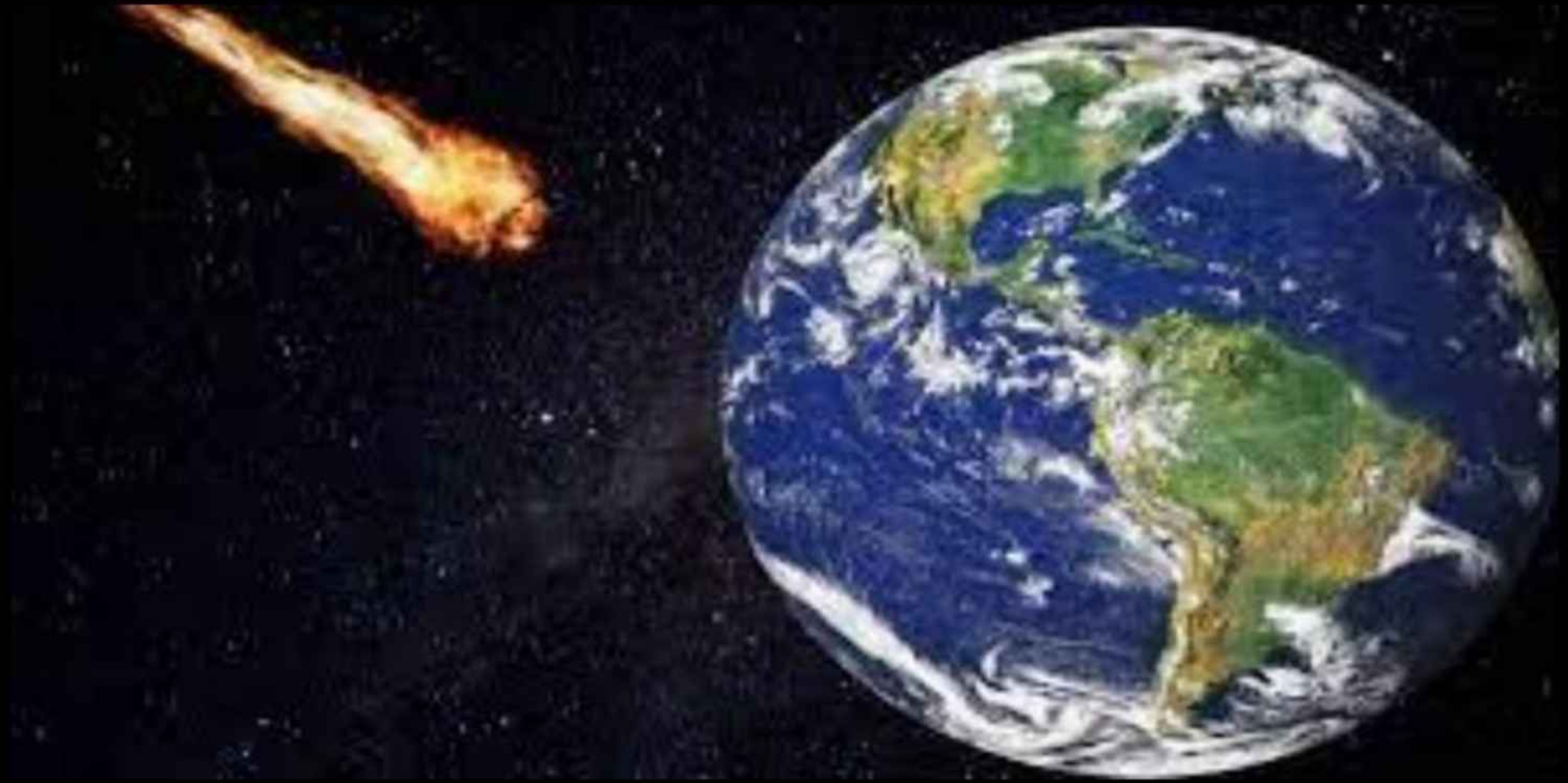
सौरमंडल-4

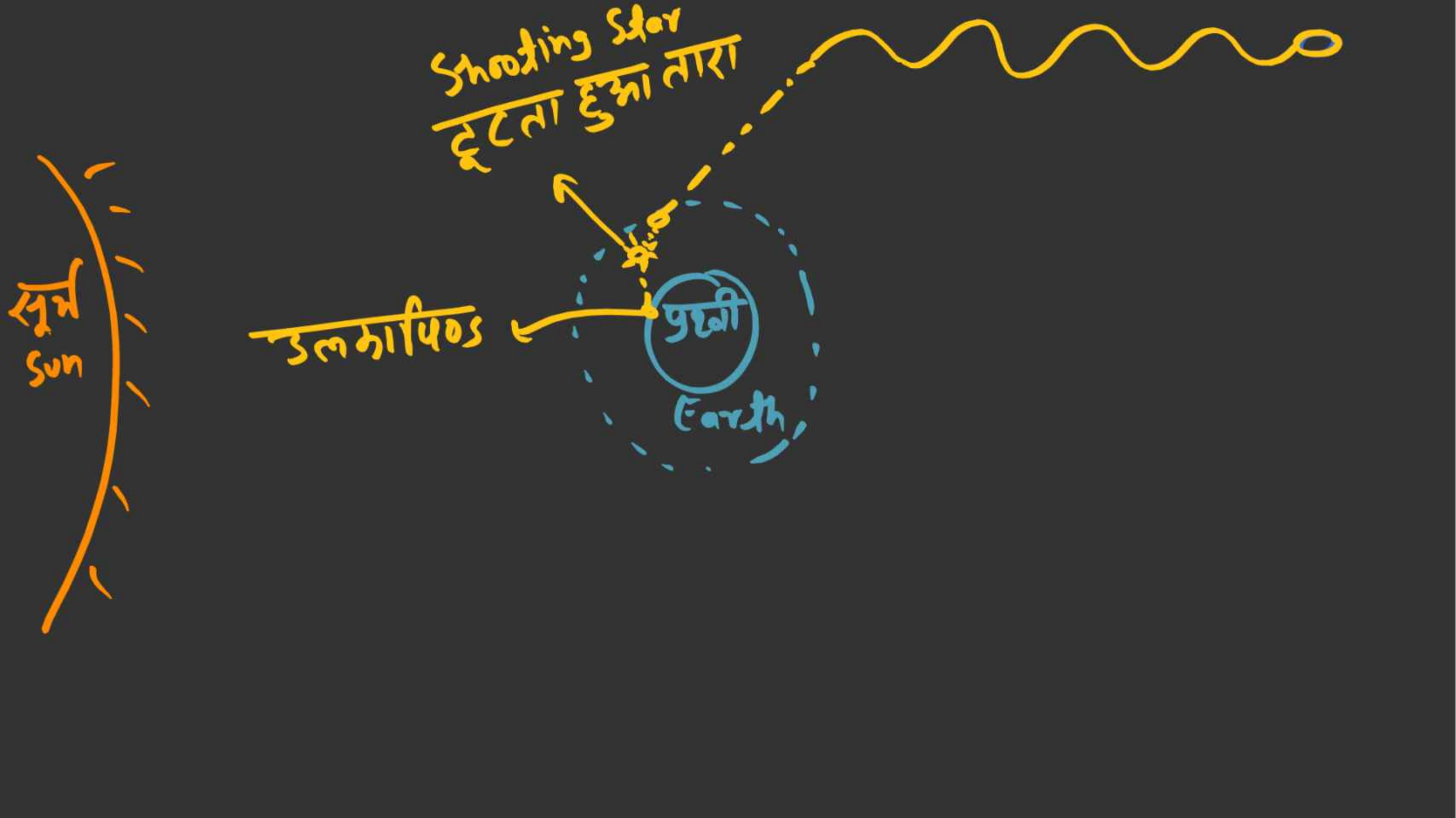


LIVE 08-07-2024 12PM

उल्काश्म व उल्कापिण्ड

meteors and meteorites




Shooting Star
टूटता हुआ तारा
सूर्य
Sun
उल्कापिण्ड
पृथ्वी
Earth

सूर्य से दूर ठन्डे व अंधेरे क्षेत्रों में रहते हुए धूल व गैस से निर्मित आकाशीय पिण्ड जो अनियमित कक्षा या मार्ग में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते है, जब कभी अपने मार्ग (orbit) से भटककर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल की सीमा में फंसते है, तो पृथ्वी के धरातल की ओर आने लगते है। मार्ग में धूल व गैस के कणों से टकराकर जलने लगते है तथा इन्हें टूटते हुए तारे की संज्ञा दे दी जाती है।.

Living in cold and dark regions away from the Sun, the celestial bodies made of dust and gas, which revolve around the Sun in an irregular orbit or path, whenever they deviate from their path (orbit) and get trapped in the limit of Earth's gravitational force, So they start coming towards the surface of the earth. On the way, they collide with the dust and gas particles and start burning and they are given the noun of the Shooting star.

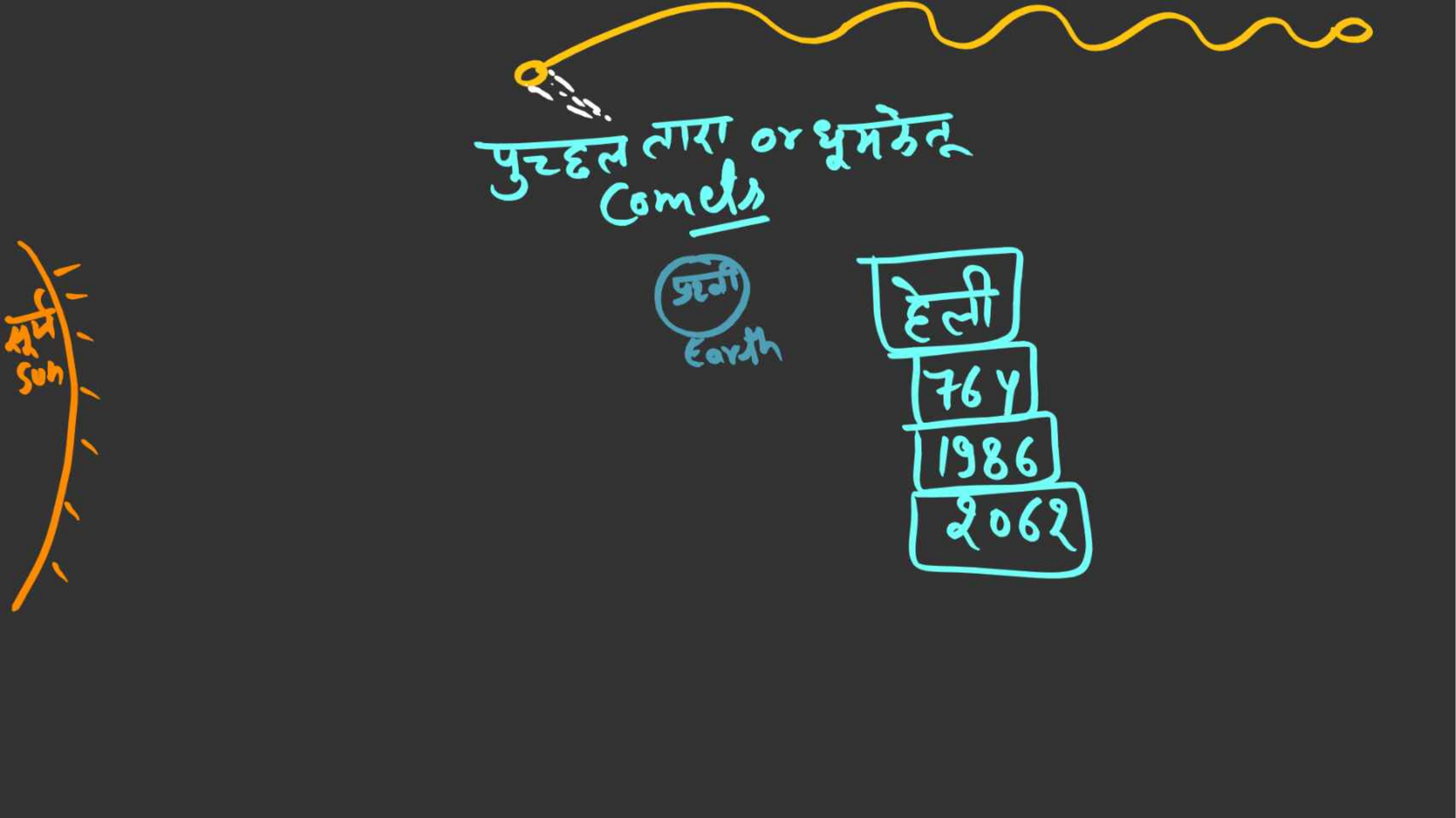
यदि ये आकाशीय पिण्ड वायुमण्डल में ही जलकर राख हो जायें तो इन्हें उल्काश्म तथा यदि इनके बचे हुए अवशेष पृथ्वी के धरातल से आकर टकराएँ तो इन्हें उल्कापिण्ड (Meteorites) कहा जाता है।

If they burn to ashes in the atmosphere , then they are called meteors and if their remaining remains collide with the surface of the earth, then they are called meteorites.

धूमकेतु या पुच्छलतारे

(comets)




पुच्छल तारा or धूमकेतू
Comets
सूर्य
Sun
धरती
Earth
हेली
76 Y
1986
2062

सूर्य से दूर ठण्डे व अंधेरे क्षेत्रों में रहते हुए सूर्य के चारों ओर अनियमित कक्षा (orbit) या मार्ग में चक्कर लगाने वाले धूल व गैस से निर्मित आकाशीय पिण्ड जब कभी सूर्य के अपेक्षाकृत नजदीक आ जाते है (Relatively Near) ,तो सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होने लगते है तथा अधिक ऊष्मा पाकर इनके धरातल पर स्थित धूल व गैस के कण इनके धरातल को छोड़कर बाहर निकलने लगते है।

Living in cold and dark regions away from the Sun, the celestial bodies made of dust and gas, which revolve around the Sun in an irregular orbit or path, whenever they come relatively close to the Sun (Relatively Near) So they start getting illuminated by sunlight and after getting more heat, the dust and gas particles located on their surface start coming out leaving their surface.

पृथ्वी से देखने पर एक पूँछ (Hall) वाले तारे के समान आकृति दिखाई देती है, तथा इसे पुच्छल तारे (comets) की संज्ञा दे दी जाती है।

When viewed from Earth, a star-like shape appears with a tail. Gives, and it is given the noun of comets.

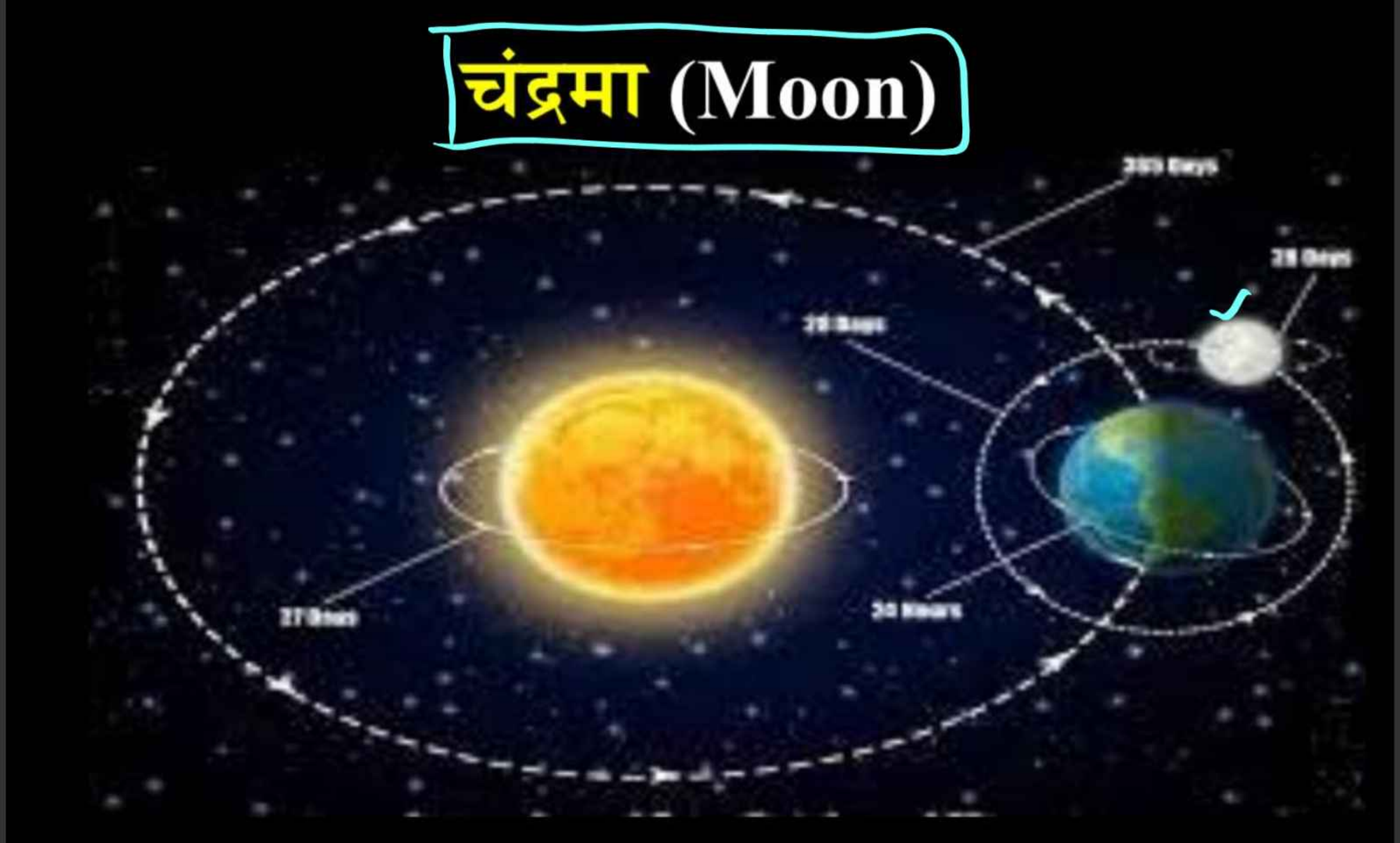
हैली एक पुच्छलतारा है जो प्रति 76 Years के बाद हमें दिखाई देता है।

Halley is a comet ,which is visible to us after every 76 years.

पुच्छल तारे की पूंछ (Tail) हमेशा सूर्य के विपरीत दिशा में होती है।

The tail (Tal) of a comet is always on the opposite side of the Sun.

चंद्रमा (Moon)



नील आर्मस्ट्रांग



चंद्रमा (Moon)

→ 3,84,000 km

→ 3,64,000 km

→ 4,06,000 km

घूर्णन (Rotation)

↳ लगभग 27 D. 7 h

परिक्रमण (Revolution)

↳ लगभग 27 D, 7 h

1.3 सेकेंड

लीबनिट्ज

□ पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह

The only satellite of the earth

□ पृथ्वी से न्यूनतम दूरी – 3,64,000 km

Minimum distance from Earth – 3,64,000 km

□ पृथ्वी से अधिकतम दूरी - 4,06,000 km

Maximum distance from Earth - 4,06,000 km

□ पृथ्वी से औसत दूरी - 3,84,000 km

Average distance from Earth - 3,84,000 km

लगभग

□ चंद्रमा से प्रकाश के पृथ्वी तक आने में लगा समय – 1.3 सेकेन्ड (लगभग)

Time taken by the light to reach the Earth from the Moon – 1.3 seconds (52pprox..)

□ परिक्रमण अवधि - 27 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11 सेकेन्ड

- Rotation period – 27 days 7 hours 43 minutes 11 seconds.
- □ Revolution time - 27 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11 सेकेन्ड

Revolution period – 27 days 7 hours 43 minutes 11 seconds

□ चंद्रमा पर पंहुचने वाला पहला व्यक्ति – नील आर्मस्ट्रांग (अपोलो -11, 20 July 1969)

The first person to reach the Moon – Neil Armstrong (Apollo-11, 20 July 1969)

□ चंद्रमा पर पहुंचने वाला पहला अंतरिक्ष यान - लूना (1966)

The first spacecraft to reach the Moon - Luna (1966)

□ चंद्रमा पर वायुमण्डल - अनुपस्थित

Atmosphere on Moon :- Absent



□ सबसे ऊँचा पर्वत (चंद्रमा) :- लीबनिट्ज

Highest mountain (moon) :-Leibnitz

□ चंद्रमा का अदृश्य भाग :- 41%

Visible part of the Moon :- 41%

□ हम चन्द्रमा के दीप्त भाग को ही देख पाते हैं। चन्द्रमा के अधिकतम 59% भाग को पृथ्वी की सतह से देखा जा सकता है।

We can see only the bright part of the moon. Maximum 59% of the Moon can be seen from the surface of the Earth

□ चन्द्रमा के 41% भाग को पृथ्वी से कभी भी नहीं देखा जा सकता है, क्योंकि चन्द्रमा की अक्षीय एवं कक्षीय गति समान होती है।

8% of it can be seen only at certain times. 41% of the Moon can never be seen from the Earth because the Moon's rotation and Revolution motion are the same.

घूर्णन (Rotation)

परिक्रमण गति Revolution

Topic Completed

पृथ्वी की गतियां
Motions of Earth

(2)

- घूर्णन (Rotation)
- परिक्रमण (Revolution)